# साहित्य अकादमी नई दिल्ली वेबलाइन मैथिली मंच से कवियों ने किया कविता पाठ

**सोनभद्र संवाददाता, झंझारपुर ।**

साहित्य अकादमी नई दिल्ली द्वारा वेबलाइन कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत 'मैथिली कवि सम्मेलन' कार्यक्रम का ऑनलाइन आयोजन किया गया । साहित्य अकादमी प्रकाशन विभाग के उप सचिव डॉ एन सुरेश बाबू ने गोष्ठी में भाग लेने वाले तीनों विद्वान साहित्यकार कवियों का अकादमी की ओर से स्वागत करते हुए सर्वप्रथम कवियित्री कुमकुम झा को आमंत्रित किया । श्रीमती झा ने काव्य गोष्ठी की शुरूआत राम सीता के प्रसंग को लेकर रचित अपनी सुंदर रचना से की । इसके अलावा उन्होंने 'मकान आ घर' आदि कविताओं का सुमधुर पाठ करने में सफल रहीं । साहित्य अकादमी के वेबलाइन मंच पर दिप शिखा राष्ट्रीय सम्मान के अलावा हिंदी एवं मैथिली के कई प्रतिष्ठित मंचों से सम्मानित कवि डॉ संजीव शमा को आमंत्रित किया गया

। डॉ शमा ने अपनी पहली रचना 'आह्वान' शीर्षक से 'आउ क्रांतिवीर मिथिला केँ बचेबाक लेल, जड़ाऊ विजय दीप अपन माटि पर रहबाक लेल' सुनाकर सुधि श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया । वहीं, दूसरी रचना के रूप में 'भेल छने अन्हार' शीर्षक कविता की पंक्ति 'मनुखक कोन मोल, पाय केँ की मोल रहलै, बनिया बैसल गिरहत बनि गेल, सोना की अनमोल रहलै' सुनाकर श्रोताओं को ग्रामीण परिवेश के अतीत में गोता लगाने पर मजबूर किया । डॉ शमा ने अपनी अंतिम रचना के रूप में 'भेदभाव केँ बिसरू इरखा द्वेष भगाबु, आउ सभ मिलकेँ खुशीक दीप जराबु' के माध्यम से समाज में व्याप्त द्वेष भाव को दूर कर अपनत्व भाईचारा अपनाने का संदेश दिया ।श्री झा की अब तक तीन पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है । मिथिलांचल के तीन कवि के रूप में नई दिल्ली से कवियत्री कुमकुम झा, झंझारपुर से डॉ संजीव शमा और नारायण झा ने मैथिली भाषा में अपनी कविताओं का पाठ किया। साहित्य अकादमी के वेबलाइन मंच पर आमंत्रित कवियों एवं वेबलाइन से जुड़े सभी श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम संयोजक व अकादमी के प्रकाशन विभाग के उप सचिव डॉ.एन सुरेश बाबू ने बताया कि इस कार्यक्रम की वीडियो अकादमी के यूट्यूब चैनल पर भी उपलब्ध रहेगा । जिसे हम कभी भी किसी वक्त सुन सकते हैं ।